दिनदहाड़े पैट्रोल पंप पर हुई फायरिंग की घटना से शहर में दहशत फैली

बून्दी (निसं)। शहर के बाईपास रोड पर शुक्रवार सुबह दिनदहाड़े हुई फायरिंग से शहर में सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को डिटेन कर लिया है। वहीं दो कारों को भी जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाईपास रोड स्थित लक्ष्मीचंद रेवतीलाल पैट्रोल पम्प पर हिण्डोली की ओर से एक लाल रंग की होण्डा सिटी कार आर जे14 सी एच 2445 पेट्रोल भरवाने आई। इसी दौरान बून्दी की ओर से आई एक सफेद रंग की स्कार्पियों कार नं.आर जे 08 यू बी 3888 आकर रुकी। उसमें से दो युवक नीचे उतरे और होण्डा सिटी कार पर दो से तीन ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

अचानक हुए फायर से घबराकर होण्डा सिटी चालक कार को कोटा बाईपास की ओर भगा ले गया। जिसका स्कार्पियों गाड़ी सवार युवकों ने पीछा भी किया। फायरिंग की सूचना मिलने पर पुलिस उप अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, डीएसटी टीम, सिटी कोतवाली एवं सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चारों तरफ नाकाबंदी करवाई तथा आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने पैट्रोल पम्प पर लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की शिनाख्त की। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान दोनों कारों को जब्त कर लिया। पुलिस ने स्कॉर्पियो में सवार तीन युवकों को भी डिटेन किया है। जबकि होडा सिटी कार सवार कार छोड़कर जान बचाते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। दूसरी ओर इस घटना को प्रोपर्टी को लेकर पुरानी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। मामले में होंडा सिटी कार सवार युवक राहुल खंगार ने कोतवाली में पहुंच कर रिपोर्ट सौंपी है। मामले की जांच स्वयं कोतवाली थानाधिकारी सहदेव मीणा कर रहे हैं।

बूंदी पुलिस ने फायरिंग के आरोपियों को गिरफ्त में लिया।

■ **स्कॉर्पियो सवार दो लोगों ने लाल रंग की कार सवार पर ताबड़तोड़ फायर किये**

प्रोपर्टी डीलर रामदेव नेखाड़ी उर्फ देवीलाल तथा शार्प शूटर द्वारा ठेकेदार मनोज बैरवा के भाई मोनू बैरवा एवं अन्य कार सवार उसके साथियों पर फायरिंग करने की बात सामने आ रही है। पुलिस अधीक्षक जय यादव पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं।

सीआई सहदेव सिंह ने बताया कि मामले में राहुल खंगार की ओर से रिपोर्ट दी गई है। मामले में पूछताछ जारी है। मोनू ठेकेदार व रामदेव नेखाड़ी के बीच प्रोपर्टी का विवाद चल रहा है। जिसको लेकर पूर्व में भी नेखाडी के ऊपर हमले की साजिश करते 4 लोगों को गिरफ्तार किया था जिनका संबंध मनोज बैरवा से बताया जाता है उसी का बदला लेने के लिए नेखाड़ी द्वारा दो शार्प शूटर धीरज व प्रदीप को हरियाणा से हायर किया था। इसी के चलते आज इस फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाईकरते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से शहर के लोगों ने राहत की सांस ली है।

चोरी का माल खरीदने वाले सुनार सहित दो गिरफ्तार

हिण्डौन सिटी, (निसं)। चोरी का माल खरीदने वाले हिण्डौन के एक सुनार के साथ बालघाट थाना पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक टोडाभीम का भी सुनार भी शामिल है। इन दोनों सुनारों ने मिलकर मोहनपुरा गांव में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए बावरिया गिरोह के आरोपितों से चोरी का माल खरीदा था। बालघाट थाने की पुलिस इन दोनों सुनारों से सख्ती से पूछताछ कर रही है।

■ **बालघाट थाना पुलिस दोनों सुनारों से सख्ती से पूछताछ कर रही है**

बालघाट के थानाप्रभारी धर्मसिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस, एएसपी कृष्ण चंद्र यादव और डीएसपी फूलचंद के निर्देशानुसार बालघाट थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सघन अभियान चलाया हुआ है। इसी अभियान के तहत बालघाट थाने की पुलिस ने गत 3 जुलाई को मोहनपुर के 4 घरों में एक ही रात को हुई चोरी की घटना के मामले को गंभीरता से लेते हुए बावरिया गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें पाडला डेरा, जोधपुर करीरी निवासी धारा उर्फ केरया पुत्र गोकुल बरगी, बदले उर्फ राजू पुत्र गोकुल बरगी और नथोले का पुरा सूरौठ के मानसिंह उर्फ दलया पुत्र सीताराम बरगी तथा मोरगड़ी खेरागढ़ के राजपाल पुत्र पूरन बरगी को गिरफ्तार किया था। इन बावरिया गिरोह के चारों आरोपितों से सख्ती से पूछताछ की गई तो सामने आया कि चोरों ने चोरी का माल हिण्डौन के सुनार झारेडा रोड की मधुबन कॉलोनी निवासी रीतेश सोनी उर्फ टिंकल सोनी (40) पुत्र भगवतीचरण सोनी और टोडाभीम के खांदडा पाड़ा निवासी मदनमोहन सोनी (42) पुत्र रामदयाल सोनी को बेचा था। इस पर बालघाट थाने की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हिण्डौन के सुनार चोरी का माल खरीदने वाले के आरोपित रीतेश सोनी उर्फ टिंकल सोनी और टोडाभीम के मदनमोहन सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इन दोनों से चोरी का माल बरामदगी के लिए सख्ती से पूछताछ कर रही है।

गंगासिंह विवि. में इंडोर स्टेडियम व ऑडिटोरियम का उद्घाटन

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अगले साल का बजट स्टूडेंट्स और यूथ को समर्पित रहेगा। उन्होंने दावा किया कि नकल रोकने के लिए प्रदेश सरकार कोई कमी नहीं रखेगी। जो नकल करेगा और करायेगा, उन सभी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। एक दिन की बीकानेर यात्रा के दौरान गहलोत यहां महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां इंडोर स्टेडियम और ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया।

गहलोत ने तय समय से कुछ पहले महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में बने विशेष हैलीपेड पर उतरने के बाद महात्मा गांधी की प्रतिमा का उद्घाटन किया। इसके बाद गहलोत ने इंडोर स्टेडियम और ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। इस मौके पर गहलोत ने कहा कि देश के कई राज्यों में नकल हो रही है लेकिन नकल पर कानून हमने बनाया है। नकल करने वालों पर एसओजी ने बहुत गंभीरता से कार्रवाई की है।

इस मौके पर गहलोत ने खिलाड़ियों को तीन से नौ लाख रुपये तक व्यक्तिगत रूप सहायता के रूप में दिए। ये खिलाड़ी देश व दुनियां में अपना नाम रोशन कर चुके हैं। इस मौके पर क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष व ओलंपियन खिलाड़ी कृष्णा पूनिया ने बताया कि राज्य के खिलाड़ियों को दी जाने वाली सहायता राशि तीन गुना बढ़ा दी गई है। ये राशि अब तीन करोड़ रुपये तक है। समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला के अलावा उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र यादव, ऊर्जा राज्य मंत्री भंवर सिंह भाटी भी उपस्थित थे। डॉ. कल्ला ने कहा कि अंग्रेजी माध्यम स्कूल की संख्या बढ़ा दी गई है। अब तीन हजार स्कूल खुल गए हैं। आने वाले दिनों में ये संख्या और बढ़ जायेगी।

■ **इस मौके पर सीएम गहलोत ने कहा कि हमने पिछले बजट कृषि को समर्पित किया था और अगला बजट यूथ और स्टूडेंट्स के लिए होगा।**

सीएम गहलोत के साथ पहुंचे जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी का महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय परिसर में बने हैलीपैड पर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी.कल्ला, राजस्थान एग्रो डवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष रामेश्वर डूडी, ऊर्जा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव, राज्य क्रीड़ा परिषद की अध्यक्ष कृष्णा पूनिया, विधायक जगदीश चन्द्र, डॉ. भीमराव अम्बेडकर फाउंडेशन के महानिदेशक मदन गोपाल मेघवाल, केश कला बोर्ड के अध्यक्ष महेन्द्र गहलोत, भूदान बोर्ड के अध्यक्ष लक्ष्मण कड़वासरा, माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष डूंगर राम गेदर, श्रीडूंगरगढ़ विधायक गिरधारी महिया, कुलपति विनोद कुमार सिंह, पूर्व मंत्री वीरेन्द्र बेनीवाल, पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा, यशपाल गहलोत सहित अन्य दर्जनों लोगों सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

सीएम का बीकानेर दौरा जनता को निराश करने से ज्यादा कुछ भी नहीं : भाजपा

बीकानेर, (कासं)। मुख्समंत्री अशोक गहलोत का बीकानेर दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब पूरा प्रदेश अराजकता और निराशा के दौर से गुजर रहा है। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने प्रश्न उठाया कि मुख्यमंत्री को बीकानेर में तकनीकी विश्वविद्यालय की दुर्दशा को भी देखना चाहिए जहां के प्रो. जैसे पद पर कार्यरत कर्मचारियों को 6 माह से वेतन नहीं मिल रहा है। जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की बीकानेर के लिए की गई समस्त बजट घोषणाएं ठंडे बस्ते में पड़ी है।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि बीकानेर के साथ हमेशा सौतेला व्यवहार करने वाले सीएम की महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में इंडोर खेल ऑडिटोरियम का उद्घाटन और श्रेय लेने की राजनीति समझ से परे है। क्योंकि इस विशाल खेल ऑडिटोरियम के निर्माण में वर्तमान राज्य सरकार ने एक रुपये का भी धन का सहयोग नहीं किया है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में तत्कालीन कुलपति के प्रयासों से इस इंडोर हाल के लिए धनराशि और स्वीकृति जारी हुई थी। 40 करोड़ की लागत से सड़कों का चौड़ाईकरण, पब्लिक हैल्थ कॉलेज, मिनी फूड पार्क, आयुर्वेद एकीकृत महाविद्यालय, नई स्वतंत्र मंडी, बहुउद्देशीय खेल काम्प्लेक्स इत्यादि घोषना अभी तक भी सिरे नहीं चढ़ी है। बीकानेर में रेल फाटक की समस्या, ड्राई पोर्ट, एयरपोर्ट के विस्तार के लिए निःशुल्क भूमि आवंटन, बीकानेर को सौर ऊर्जा हब की घोषणा सहित कई पूर्व लंबित मांगों पर सरकार सिर्फ कुंडली मार कर बैठी है।

■ **भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रश्न उठाया कि मुख्यमंत्री को बीकानेर में तकनीकी विवि. की दुर्दशा को भी देखना चाहिए**

■ **'बीकानेर के लिए की गई समस्त बजट घोषणाएं ठंडे बस्ते में पड़ी है'**

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य ने कहा कि बीकानेर जिले में किसी भी विभाग में आम जनता का कार्य नहीं हो पा रहा है। डॉ. आचार्य ने कहा कि जिस यूनिवर्सिटी में मुख्यमंत्री खेल परिसर का उद्घाटन कर रहे हैं। उस परिसर में सरकार अभी तक पेयजल आपूर्ति तक नहीं कर पा रही है। सरकार मे 3 बड़े मंत्री होने के बावजूद भी बीकानेर का विकास पूर्ण रूप से अवरुद्ध है। शहर की जर्जर सड़कें, संभाग के सबसे बड़े पीबीएम अस्पताल की समस्याओं का निराकरण, समेत पूर्ववर्ती सरकार द्वारा किये गए विकास कार्यों का रखरखाव तक नहीं हो पा रहा है।

जिला महामंत्री मोहन सुराणा, अनिल शुक्ला, नरेश नायक, जिला मंत्री और मीडिया प्रभारी मनीष आचार्य ने कहा कि जिला प्रशासन के पास बीकानेर के विकास का किसी भी प्रकार का कोई रोड़ मैप नहीं है।

हरे पेड़ों की कटाई बदस्तूर जारी, विभाग मौन

डूंगरपुर, (नि.सं.)। पेडों की अवैध कटाई के लिए पटवारियों को जवाबदेह मानने के प्रशासनिक आदेशों के बावजूद साबला पंचायत समिति के कई क्षेत्रों में हरे पेडों पर कुल्हाडी चलाने का दौर बदस्तूर जारी है। उधर राजस्व कार्मिकों व विभागों के अधिकारियों की मिलीभगत के चलते तस्करों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो पा रही है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में पेड़ धराशाही हो रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बोडीगामा पटवार मंडल के अंतर्गत कई नींम व आम के पेड़ काट दिए गए हैं। बाद इसे नवा पादर के पास पेडों को काटकर स्टॉक किया गया है। जिसे रात में ट्रकों में भरा कर रवाना कर दिया जाता है। साबला के झरियाणा, बोडीगामा, पिंडावल, पचलासा, तालोरा में तस्करों द्वारा आए दिन हरे पेड़ काटे जा रहे हें । जानकारी विभागीय अधिकारियों को देने के बाद भी मिलीभगत के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। काटे गए पेडों को भरने के लिए इनके पास निजी क्रेन भी हैं। जो मिनटों में ट्रकों में भरकर रातों-रात रवाना कर देते हैं। किसी पेड़ के काटने की सूचना मिलती है तो मामला दर्ज कर कुछ दिनों बाद लकडी की नीलामी की जाती है। नीलामी भी उसी व्यक्ति को की जाती है जिसने पेडों को कटवाया है। वही कुछ राशि सरकारी खाते में दर्शा कर इतिश्री कर ली जाती है। जिससे राजस्व आए तो हो जाती है, परंतु तस्करों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने से पेडों की कटाई नहीं रुक रही है। वही तस्कर पटवारियों की मिलीभगत के चलते रोज सैकडों पेड की बलि हो रही है। पेडों की कटाई का कार्य स्थानीय व बाहरी तस्करों द्वारा किया जा रहा है। मुकेश सरगडा पटवारी बोडीगामा बडा ने बताया कि मैं मौके पर गया था मौका पर्चा बनाया है। वन विभाग के अधिकारियों को भी सूचना दे दी है और अभी तहसील में भी रिपोर्ट दे रहा हूं। साबला तहसीलदार दिशा गांधी से जानकारी चाहने पर बताया कि मैं इस मामले को अभी दिखवा लेती हूं।

■ **पटवारियों की मिलीभगत के चलते रोज सैकड़ों पेड़ काटे जा रहे हैं**

गलियाकोट में ढाई इंच बारिश, जलाशयों में हुई पानी की आवक

डूंगरपुर, (निसं)। मौसम विभाग के अलर्ट के बाद डूंगरपुर में गुरुवार रात मूसलाधार बारिश हुई। करीब 1 घंटे तक तेज बारिश की वजह से शहर से लेकर गांव तक कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। जिले में सबसे ज्यादा बारिश गलियाकोट में ढाई इंच तो सबसे कम बारिश चिखली और निठाऊवा क्षेत्र में दर्ज की गई।

जिले में पिछले कुछ दिनों से रात के समय हल्की बारिश जारी है, वहीं दिन में आसमान खुला रहता है। कभी दिन में हल्की बूंदाबांदी या रिमझिम बरसात होती है। गुरुवार शाम 7 बजे आसमान में बादल मंडराए। हल्की बूंदाबांदी भी हुई। आधी रात को आसमान में तेज बिजली कडकडाने लगी। तेज आवाज के साथ हवाएं चली और फिर झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। रात को शहर की सडकों पर पानी बहने लगा। खेतों से लेकर खाली पडे प्लॉट में भी पानी भर गया। बारिश शुरू होते ही बिजली भी बंद हो गई तो लोगों को भी परेशानी हुई। करीब घंटे भर तक तेज बारिश के बाद हल्की बूंदाबांदी हुई और फिर बारिश थम गई। शुक्रवार को दिन खुल गया।

कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश गलियाकोट में ढाई इंच (66 एमएम) रिकॉर्ड की गई। डूंगरपुर में 45 एमएमए देवल में 41 एमएम, कनबा में 24 एमएम, सागवाडा में 27 एमएम, धंबोला में 28 एमएम, वेंजा में 38 एमएम, चिखली में 14 एमएम, आसपुर में 62 एमएम, गणेशपुर में 44 एमएम, साबला में 24 एमएम, निठाउवा में 15 एमएम, फलोज में 54 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। बारिश के बाद किसानों में खेतों में मक्का, उडद, बाजरी सहित कई फसलों को बुवाई पूरी कर ली है, वहीं किसान बारिश से खुश नजर आ रहे हैं।

जोधपुर में बरसात हुई

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में करीब चार बजे आधे घंटे तक जमकर बरसात हुई। देखते ही देखते सड़कें दरिया बन गई, मगर बरसात के बन्द होने के कुछ ही देर बाद सड़कें सूख भी गई । तेज व संतोष देने वाली बारिश का अब भी लोगों को इन्तजार है। वैसे सावन के साथ ही बरसात की रिमझिम शुरू हो गई थी।मौसम विभाग का कहना है कि मानसून की परिस्थितियों के अनुसार अगले दो दिन भी बारिश की संभावना बनेगी, लेकिन ट्रफ लाइन के हिमालय की तरफ शिफ्ट होने की वजह से तेज बारिश की संभावनाएं कम हो जाएंगी। पाकिस्तान के ऊपर एक ऊपरी हवाओं का चक्रवात बना था, जिसके असर की वजह से अरब सागर की तरफ से बादलों व नमी की आवाजाही शुरू हो गई थी।

चार बाल श्रमिक मुक्त कराये

डूंगरपुर, (निसं)। सीमलवाडा के विभिन्न स्थानों से 4 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया है।

जिला पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा के निर्देशन अनुसार एसआईयूसीएडब्लयू के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार सवारिया के निर्देशन में मासूम अभियान के तहत बाल श्रम रोकथाम हेतु मानव तस्करी विरोधी एवं गुमशुदा प्रकोष्ठ से हेड कांस्टेबल बलदेव सिंह, कानी हर्षवर्धन सिंह, चाइल्ड लाइन डूंगरपुर से समन्वयक मेहुल शर्मा, श्रम विभाग से वरिष्ठ सहायक कालू शंकर मीणा, कनिष्ठ सहायक पंकज पाटीदारए सृष्टि सेवा समिति से लॉ ऑफिसर सुरेंद्र ढोली, फील्ड जितेंद्र कटारा, हेमंत गोस्वामी द्वारा शुक्रवार को संयुक्त रूप से सीमलवाडा के विभिन्न स्थानों से 4 बाल श्रमिकों को मुक्त करा अग्रिम सहायता हेतु बाल कल्याण समिति अध्यक्ष भावेश जैन एवं सदस्य विजय रावल के समक्ष पेश किया गया और नियोक्ताओं के विरुद्ध उचित कारवाही की जा रही है।

'राजस्थानी फिल्मों को अनुदान देने में कला एवं संस्कृति विभाग कर रहा भारी फर्जीवाड़ा'

चूरू, (कासं)। कला एवं संस्कृति विभाग सचिवालय जयपुर द्वारा राजस्थानी फिल्मों को अनुदान देने में भारी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। इस ओर ना तो कला एवं संस्कृति मंत्री बीडी कल्ला ध्यान दे रहे हैं और ना ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत। फिल्म निर्माता इन दोनों से बार-बार गुहार लगा चुके हैं कि राजस्थानी फिल्मों को अनुदान राशि जारी करें। सबसे दुःखद बात तो यह है कि कला एवं संस्कृति मंत्री बीडी कल्ला और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कमेटियों ने फिल्मों का प्रीव्यू देखे बिना ही उन्हें अनुदान की कतार से बाहर कर दिया।

फिल्म बावळती के निर्माता व निदेशक राजेन्द्र सिंह ने बताया कि जयपुर में इन कमेटियों ने मनमाने तरीके से कागजों में ही फिल्मों का प्रीव्यू कर लिया। फिल्म निर्माताओं को तो सूचना देना भी उचित नहीं समझा। निर्माताओं को प्रीव्यू के दौरान नहीं बुलाए जाने से ही स्पष्ट हो रहा है कि प्रीव्यू में सरासर गलत हुआ है।

■ **फिल्म 'बावळती' के निर्माता व निदेशक ने बताया कि फर्जी तरीके से कागजों में फिल्मों का प्रीव्यू किया**

उल्लेखनीय है कि मार्च 2021 में 17 फिल्मों का प्रीव्यू करने का ढोंग रचा गया और जिद्दी आशिक, कन्यादान, कछुआ, दुल्हनिया किस्तों में, पाणी, रीति रिवाज, म्हारो भैरू भगवान, बावळती, बाबुल थारी लाडली, मां, मेवाड़ के पन्ने इन 11 फिल्मों को खारिज कर दिया गया। जिन फिल्मों को अनुदान दिया उन्हें भी पूरा नहीं दिया। सिर्फ 6 फिल्मों को मात्र 30 लाख रुपये अनुदान देकर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर ली। महारो गोविन्द, शंखनाद और तावड़ो द सन लाईट को 7-7 लाख रुपए और कानूड़ो, ठकुराईन व राजू राठौड़ को मात्र 3-3 लाख रुपए ही दिए गए। जबकि एक फिल्म को 25 लाख रुपए अनुदान देने की घोषणा कर रखी है। कला एवं संस्कृति विभाग फिल्मों को अनुदान नहीं देने का कोई कारण भी नहीं बता रहा है। यहां निर्माताओं का कहना है कि अनुदान देना ही नहीं है तो फिर घोषणा क्यों कर रखी है। सरकार की खोखली घोषणा के कारण निर्माता भटक रहे हैं। उनका कहना है कि फिल्मों को अनुदान दिया जावे या फिर अनुदान देने की घोषणा वापस ले लो, कोई नहीं आएगा अनुदान मांगने। इस प्रकार राजस्थानी फिल्मों के साथ खिलवाड़ तो नहीं होगा।

वास्तव में देखा जाए तो घोषणा के अनुसार राजस्थानी फिल्मों को अनुदान नहीं मिलने से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ही छवि खराब हो रही है। घोषणा तो मुख्यमंत्री ने ही की थी, अब उस घोषणा के अनुसार दर्जनों फिल्मों को अनुदान नहीं मिलना खुद घोषणा के साथ अन्याय है। जयपुर में हुए फर्जी प्रीव्यू की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। कब, कहां और किसने देखा प्रीव्यू सबकी जांच हो। जिनके हस्ताक्षर हैं, वे उस समय कहां थे, इसकी जांच हो। पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ जाएगा। कुल मिलाकर इस प्रकार से तो राजस्थानी सिनेमा का भला नहीं होने वाला है। सरकार सिनेमाघरों को भी राजस्थानी फिल्में प्रदर्शित करने के लिए पाबंद नहीं कर रही है।

अगर सिनेमाघरों में एक निर्धारित संख्या में राजस्थानी फिल्में प्रदर्शित करने का नियम बना दिया जाए तो फिर अनुदान की आवश्यकता ही नहीं है, लेकिन सरकार ये काम भी नहीं कर रही है। कांग्रेस सरकार के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है। मुख्यमंत्री गहलोत को खुद इस ओर विशेष ध्यान देकर वंचित फिल्मों का प्रीव्यू करवाकर उन्हें अनुदान राशि जारी करनी चाहिए। पिछली सरकार भी राजस्थानी फिल्मों को अनुदान देने में खरी नहीं उतरी थी। इन्होंने तो उनको भी भला कहलवा दिया है।

गौहर चिश्ती को रिमांड पर भेजा

अजमेर, (कास)। सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह के मुख्य द्वार निजाम गेट के बाहर गत 17 जून को सर तन से जुदा करने वाले भडकाऊ भाषण लगाने वाला खादिम गौहर चिश्ती को अजमेर पुलिस ने हैदराबाद पुलिस की मदद से हैदराबाद के सांई नाथ गंज स्थित गौस महल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गौहर चिश्ती को शरण देने वाले अहसान उल्ला खान उर्फ मुनव्वर को भी गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को जानकारी दी। जहां शुक्रवार देर शाम गौहर चिश्ती को मजिस्ट्रेट अजंता अग्रवाल के निवास पर पेश किया, जहां उसे 22 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर लिया है।

वहीं दूसरी ओर दरगाह थाना प्रभारी दलबीर सिंह ने बताया कि गौहर चिश्ती को 22 जुलाई 2022 तक पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया है और उसको शरण देने वाले अहसान उल्ला खान उर्फ मुनव्वर को जमानत दे गई और अनुसंधान जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने पत्रकारों को बताया कि 25 जून को परिवादी जयनारायण पुत्र कालूराम निवासी हाल विनायक बिहार कॉलोनी फायसागर रोड पुलिस थाना गंज हाल कानि. थाना दरगाह ने पुलिस थाना दरगाह में लिखित रिपोर्ट पेश की, जिसमें दरगाह थाना अधिकारी को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु निवेदन किया। रिपोर्ट में बताया कि 17 जून को 3 बजे निजाम गेट पर ड्यूटी पर उपस्थित था, उसी समय बाद नमाज जुम्मा की गौहर चिश्ती सहित अन्य कुछ खादिमों द्वारा निजाम गेट पर पूर्व निर्धारित व अनुमति प्राप्त कार्यक्रम मौन जूलुस कि शर्तों का उल्लंघन करते हुए, एक रिक्शा पर लाउड स्पीककर लगाकर भाषणबाजी शुरू कर दी, उस समय करीब 2500-3000 व्यक्तियों कि भीड़ दरगाह के सामने थी। जबकि खादिम गौहर चिश्ती को पूर्व में थानाधिकारी व वृताधिकारी ईस्लाम खां उपअधीक्षक द्वारा समझाईश की गई, जिसको दरकिनार करते हुए हत्या जैसे अपराध करने कि नियत से एक साथ दुष्प्रेरण करते हुए एक विवादित नारा लगाते हुए भीड़ को उकसाया तथा नारेबाजी की। प्रशासन द्वारा जारी लाइसेसं का पूरी तरह उल्लंघन करते हुए लाउड स्पीकर का उपयोग किया गया।

■ **अजमेर पुलिस ने हैदराबाद पुलिस की मदद से हैदराबाद के सांईनाथ गंज स्थित गौस महल से गिरफ्तार किया**

एसपी जाट ने बताया कि सूचना और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर मुख्य आरोपी सैयद गौहर हुसैन चिश्ती पुत्र सैयद सफदर चिश्ती निवासी शकूर बिल्डिंग छोटा चौक खादिम मोहल्ला पुलिस थाना दरगाह हाल मकान नम्बर 18/158 डिग्गी बाजार सौदागर मोहल्ला पुलिस थाना कोतवाली के हैदराबाद में होने की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर गठित टीम ने हैदराबाद में जाकर आरोपी गौहर हुसैन चिश्ती एवं अहसान उल्ला उर्फ मोहम्मद मुनव्वर के मकान की सतत् निगरानी की गई। गौहर चिश्ती के अहसान उल्ला उर्फ मोहम्मद मुनव्वर के मकान पर होने की सूचना पुख्ता होने पर हैदराबाद पुलिस से समन्वय स्थापित कर दबिश दते हुए मुख्य आरोपी सैयद गौहर हुसैन चिश्ती और अहसान उल्ला उर्फ मोहम्मद मुनव्वर को हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया।

अध्यापकों की कमी को लेकर विद्यालय के मैन गेट के ताला लगाकर प्रदर्शन किया

मात्र एक अध्यापक के भरोसे चल रहा ढाणी रामदेवरा का उच्च माध्यमिक विद्यालय

बीदासर, (निसं)। कस्बे के निकटवृति ग्राम ढाणी रामदेवरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्यापकों की कमी को लेकर ग्रामीणों व विद्यार्थीयों ने विद्यालय के मैन गेट के ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय को पिछले वर्ष क्रमोन्नत कर दिया गया था। लेकिन क्रमौन्नत होने के बाद भी अध्यापको की कमी चल रही है। अभी वर्तमान में मात्र एक अध्यापक के भरोसे उच्च माध्यमिक विद्यालय चल रहा है। जिससे विद्यार्थियों की पढाई चौपट हो रही है। तथा अध्यापक न होने से विद्यार्थीयो का भविष्य भी अंधकार में है। पिछले वर्ष भी अध्यापकों की कमी के चलते विद्यार्थीयों की पढाई में भी व्यवधान हुआ था। इस बार हालात और भी बद्तर है। राज्य सरकार ने माध्यमिक विद्यालय से उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमौन्नत तो कर दिया लेकिन अध्यापकों की कमी अभी भी खल रही है। विरोध प्र्दशन करने वालों में मनोज मेघवाल, मगलाराम मेघवाल, तारूराम मेघवाल, दौलतराम, भैराराम, सुमेरमल, पीथाराम मेघवाल सहित अनेक ग्रामीणों ने अध्यापकों की कमी को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों व विद्यार्थीयों द्वारा विद्यालय की तालाबंदी के बाद मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सिंघराज सिंघल आरपी गुलाबचंद मेघवाल तथा यूसीईईओ ताराचंद बारूपाल विद्यालय में पहुंचकर ग्रामीणों को समझाया तथा मौके पर ही तीन अध्यापकों तथा चार इंटरशीप को लगाने की बात पर ग्रामीण सहमत होने पर विद्यालय का ताला खोल दिया गया। सीबीईओ सिंघल ने ग्रामीणों से कहा कि विद्यालयों में अध्यापकों की कमी के बारे में उच्च अधिकारीयों को अवगत करवाकर समाधान का प्रयास किया जायेगा।

विद्यालय के बाहर ताला लगाकर प्रदर्शन करते ग्रामीण व विद्यार्थी।

■ **मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तथा यूसीईईओ ने तीन अध्यापकों तथा चार इंटरशीप को लगाने की बात कही**